निपटारा न हो जाए। एक निर्वाचन अर्जी जम्मू-कश्मीर में सफाकदल सभा-निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित अभ्यर्थी के निर्वाचन की बाबत भी लम्बित है। इस मामले में उप-निर्वाचन, उच्च न्यायालय के आदेशों द्वारा रोक दिया गया है। इस रिक्ति को भरने के लिए उप-निर्वाचन तब ही कराया जा सकता है जब कि इस रोक को उच्च न्यायालय द्वारा उत्सर्जित कर दिया जाए। लोक सभा में की रिक्तियों की और राज्य विधान सभाओं में के शेष स्थानों की बाबत उप-निर्वाचन निर्वाचक नामावलियों के पुनरीक्षित होते ही करा लिए जाएंगे। राज्य सभा की दो रिक्तियां तब भरी जाएंगी जब संपृक्त राज्य विधान सभाएं अगली बार समवस्थ होंगी।

दिल्ली के गोदामों में मानव उपभोग के अयोग्य दूध का पाउडर

610. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री देवकीनन्दन पाटोदिया :
श्री मुहम्मद इमाम :
श्री सु० कु० तापड़िया :
श्री लिंगम गौड़ :
श्री काशी नाथ पाण्डे :
श्री ना० स्व० शर्मा :
श्री दी० चं० शर्मा :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री ओंकार सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री उमानाथ :
श्री नम्बियार :
श्री चक्रपाणि :
श्री प० गोपालन :
श्री कं० हलदर :
श्री क० मि० मधुकर :
श्री रामावतार शास्त्री :

क्या खाद्य तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के कुछ गोदामों में बहुत बड़ी मात्रा में पड़ा हुआ दूध का पाउडर मानव उपभोग के अयोग्य पाया गया है;

(ख) क्या सरकार ने इसके कारणों का पता लगाने का प्रयत्न किया है; और

(ग) यदि हां, तो जांच का परिणाम क्या है और इस नुकसान के लिये उत्तरदायी सम्बन्धित अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अण्णासाहिब शिंदे) : (क) 1966-67 के दौरान 1.181 टन्ज आयातित सपरेटा पाउडर मानव उपभोग के लिए अयोग्य पाया गया और चालू वर्ष 1967-68 के दौरान अब तक 9 टन्ज अयोग्य पाया गया है।

(ख) दिल्ली दुग्ध-योजना भारी मात्रा में आयातित सपरेटा पाउडर काम में लाती है। भारी मात्रा को सम्भालते समय बिखरने और मौसम की खराबी के कारण कुछ दुग्ध चूर्ण को बेकार होने से रोका नहीं जा सकता।

(ग) मात्रा थोड़ी है और हानि भी सामान्य रूप में है। किसी अधिकारी के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

आन्ध्र प्रदेश द्वारा खाद्यान्न की सप्लाई

611. श्री मं० रं० कृष्ण : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री ने केन्द्रीय सरकार को आश्वासन